

3-12-2) वकील पार्थी द्वारा पार्थना-पत्र विद्रा करने  
बाद पार्थना-पत्र पेश करने पर पत्र खली  
लख की गयी। प्रस्तुत पार्थना-पत्र अनुसार  
उक्त प्रकरण में राजीनामा होने से कोई  
कार्यवाही नहीं चाही जा रही है।

हमें प्रस्तुत पार्थना-पत्र का  
अवलोकन किया एवं उपास्थित को सुना।  
चूंकि उक्त प्रकरण में राजीनामा होने  
से कोई कार्यवाही नहीं चाही जा रही  
है अतः पार्थी का पार्थना-पत्र खारिज  
किया जाता है। पत्र खली के सल सुमार  
होकर नम्बर से कम होगा।



उपखण्ड अधिकारी  
रूपनगढ़ (अजमेर)

में 11/14